मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 6

MHD–02

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.–02 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) स्नेहहीन तारों के दीपक,

श्वास–शून्य थे तरु के पात,

विचर रह थे स्वप्न अवनि में,

तम ने था मंडप ताना,

कूक उठी सहसा तरु वासिनी !

गा तू स्वागत का गाना,

किसने तुझको अंतर्यामिनी !

बतलाया उसका आना ?

(ख) पथ को न मलिन करता आना,

पथ–चिह्न न दे जाता जाना,

सुधि मेरे आँगन की जग में

सुख की सिहरन हो अंत खिली !

विस्तृत नभ का कोई कोना,

मेरा न कभी अपना होना,

परिचय इतना, इतिहास यही

उमड़ी कल थी, मिट आज चली !

(ग) आओ बैठो; क्षण भर तुम्हें निहारूँ।

अपनी जानी एक–एक रेखा पहचानूँ

चेहरे की, आँखों की–अन्तर्मन की

और—हमारी साझे की अनगिन स्मृतियों की:

तुम्हें निहारूँ

झिझक न हो कि निरखना दबी वासना की विकृति है !

(घ) एकाएक टूट गया स्वप्न व छिन्न–भिन्न हो गए सब चित्र।

जागते में फिर से याद आने लगा वह स्वप्न,

फिर से याद आने लगे अंधेरे में चेहरे,

और, तब मुझे प्रतीत हुआ भयानक

गहन मृतात्माएँ इसी नगर की
हर रात जुलूस में चलतीं,
परन्तु, दिन में
बैठती हैं मिलकर करती हुई षड्यंत्र
विभिन्न दफ्तरों–कार्यालयों, केन्द्रों में, घरों में।

(ङ) कल की बात है–
मगधवासियों ने
अशोक को देखा था
कलिंग को जाते
कलिंग से आते
चंद्रगुप्त को तक्षशिला की ओर घोड़ा दौड़ाते
आँसू बहाते
बिम्बिसार को
अजातशत्रु को
भुजा थपथपाते।

2. 'कामायनी' के संदर्भ में जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय–सांस्कृतिक चेतना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 16

3. निराला के काव्य में प्रयोगशीलता के तत्वों की समीक्षा कीजिए। 16

4. 'असाध्यवीणा' को केन्द्र में रखकर अज्ञेय की रचना–दृष्टि और जीवन–दर्शन का निरूपण कीजिए। 16

5. प्रगतिवादी काव्यांदोलन के विकास में पंत के योगदान को स्पष्ट कीजिए। 16

6. फैंटेसी के शिल्प की दृष्टि से मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 16

7. रघुवीर सहाय के काव्य में अभिव्यक्त जनपक्षधरता पर प्रकाश डालिए। 16

८. "धूमिल मोह भंग के कवि हैं।" इस कथन की विवेचना कीजिए। 16

9. श्रीकांत वर्मा के काव्य की भाषा और शिल्पगत विशेषताओं की समीक्षा कीजिए। 16

× × × × ×